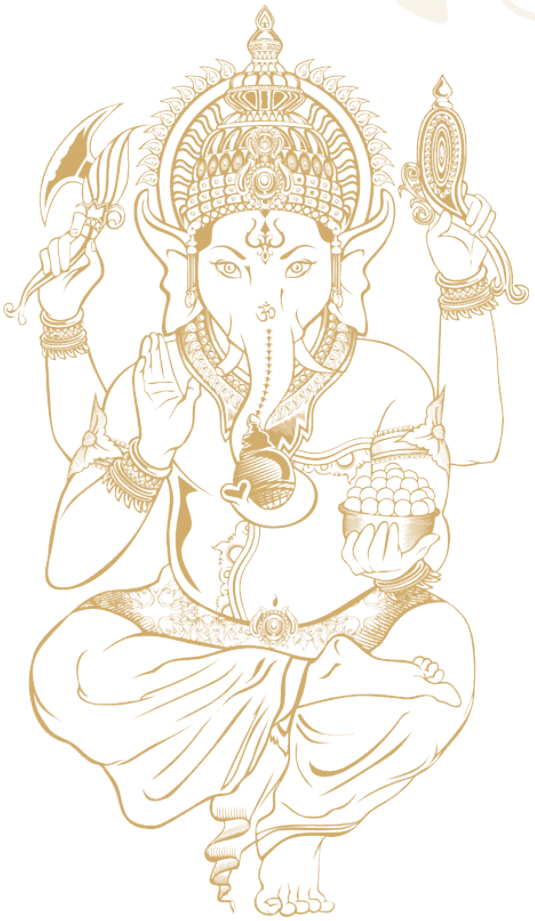

Aaaaa

06 Jul 1996

05:00 AM

Jodhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121490813

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**5-06/07/1996**
दिन	शुक्र-शनिवार
जन्म समय	**05:00:00 घंटे**
इष्ट	57:54:39 घटी
स्थान	**Jodhpur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:18:00 उत्तर
रेखांश	73:08:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:37:28 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:22:32 घंटे
वेलान्तर	-00:04:34 घंटे
साम्पातिक काल	23:19:28 घंटे
सूर्योदय	05:50:08 घंटे
सूर्यास्त	19:33:47 घंटे
दिनमान	13:43:39 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	20:22:34 मिथुन
लग्न के अंश	08:14:09 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**पू०भाद्रपद - 3**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	सौभाग्य
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	सिंह
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	दा-दामोदर
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	08:14:09	328:16:15	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	---
सूर्य			मिथु	20:22:34	00:57:11	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	सम राशि
चंद्र			कुंभ	27:22:51	14:03:10	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
मंगल			वृष	22:39:12	00:41:36	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	सम राशि
बुध		अ	मिथु	13:52:33	02:08:19	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	स्वराशि
गुरु	व		धनु	18:45:46	00:07:42	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	स्वराशि
शुक्र			वृष	18:13:32	00:08:19	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	स्वराशि
शनि			मीन	13:27:00	00:01:19	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	सम राशि
राहु	व		कन्या	18:32:17	00:01:33	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	18:32:17	00:01:33	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मक	09:32:59	00:02:13	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
नेप	व		मक	02:53:50	00:01:34	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	06:51:23	00:01:04	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	बुध	---
दशम भाव			कुंभ	25:09:50	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:34

लग्न-चलित

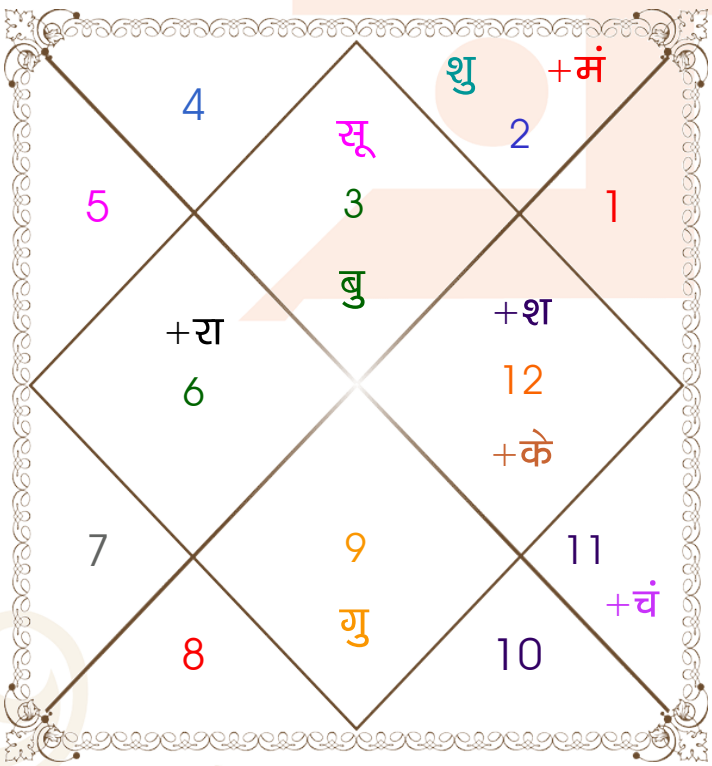

चन्द्र कुंडली

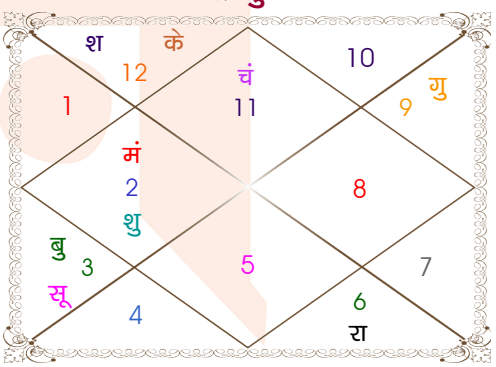

नवमांश कुंडली

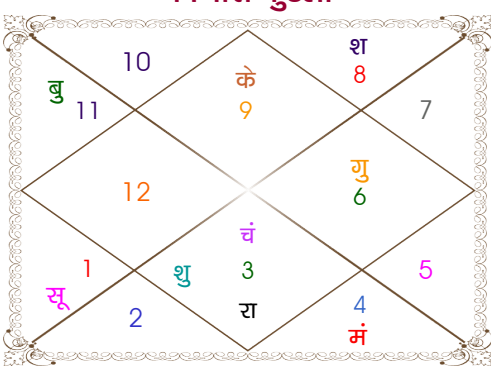

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 7 वर्ष 1 मास 21 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
06/07/1996		28/08/2003		27/08/2022		28/08/2039		27/08/2046	
28/08/2003		27/08/2022		28/08/2039		27/08/2046		27/08/2066	
	00/00/0000	शनि	30/08/2006	बुध	23/01/2025	केतु	24/01/2040	शुक्र	27/12/2049
	00/00/0000	बुध	10/05/2009	केतु	20/01/2026	शुक्र	25/03/2041	सूर्य	27/12/2050
	00/00/0000	केतु	18/06/2010	शुक्र	20/11/2028	सूर्य	31/07/2041	चंद्र	27/08/2052
	06/07/1996	शुक्र	18/08/2013	सूर्य	27/09/2029	चंद्र	01/03/2042	मंगल	27/10/2053
शुक्र	10/03/1998	सूर्य	31/07/2014	चंद्र	26/02/2031	मंगल	28/07/2042	राहु	27/10/2056
सूर्य	27/12/1998	चंद्र	29/02/2016	मंगल	23/02/2032	राहु	15/08/2043	गुरु	28/06/2059
चंद्र	27/04/2000	मंगल	09/04/2017	राहु	12/09/2034	गुरु	21/07/2044	शनि	27/08/2062
मंगल	03/04/2001	राहु	14/02/2020	गुरु	18/12/2036	शनि	30/08/2045	बुध	27/06/2065
राहु	28/08/2003	गुरु	27/08/2022	शनि	28/08/2039	बुध	27/08/2046	केतु	27/08/2066

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
27/08/2066		27/08/2072		27/08/2082		27/08/2089		29/08/2107	
27/08/2072		27/08/2082		27/08/2089		29/08/2107		00/00/0000	
सूर्य	15/12/2066	चंद्र	27/06/2073	मंगल	24/01/2083	राहु	09/05/2092	गुरु	16/10/2109
चंद्र	16/06/2067	मंगल	26/01/2074	राहु	11/02/2084	गुरु	03/10/2094	शनि	28/04/2112
मंगल	21/10/2067	राहु	28/07/2075	गुरु	17/01/2085	शनि	09/08/2097	बुध	04/08/2114
राहु	14/09/2068	गुरु	26/11/2076	शनि	26/02/2086	बुध	26/02/2100	केतु	11/07/2115
गुरु	03/07/2069	शनि	28/06/2078	बुध	23/02/2087	केतु	17/03/2101	शुक्र	07/07/2116
शनि	15/06/2070	बुध	27/11/2079	केतु	22/07/2087	शुक्र	17/03/2104		00/00/0000
बुध	22/04/2071	केतु	27/06/2080	शुक्र	20/09/2088	सूर्य	08/02/2105		00/00/0000
केतु	28/08/2071	शुक्र	26/02/2082	सूर्य	26/01/2089	चंद्र	10/08/2106		00/00/0000
शुक्र	27/08/2072	सूर्य	27/08/2082	चंद्र	27/08/2089	मंगल	29/08/2107		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 7 वर्ष 2 मा 12 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ है। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ धनु का नवमांश एवं मिथुन राशि का ही द्रेष्काण भी उदित हो रहा था। मिथुन लग्न की आकृति के फलस्वरूप यह प्रभाव स्पष्ट है कि आपका जीवन पूर्ण रूपेण उत्थान-पतन से युक्त तथा बार-बार उत्थान पतन का कारक भी है। यदि आप सतर्क नही रहे तो सदैव ही उच्चता एवं नीचता का वातावरण बनता रहेगा तथा आपको अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा करने के लिए तथा विपत्ति अर्थात् दीनता से संघर्ष करने की सभी संभावनाएं क्षीण हो जाएगी। आपको अपने प्रारंभिक जीवन की शुरूआत के साथ ही सतर्कता पूर्वक संबंधित व्यवधानों की रोकथाम की प्रक्रिया भी प्रारंभ करना होगा। लग्न नवमांश के प्रभाव से आपके जीवन में उत्तमता हेतु आशा किरण का उदय आपकी आयु के पचीसवें वर्ष में दृष्टिगत होता है। आप अपनी हठधर्मिता को त्याग कर धैर्य पूर्वक समय की प्रतीक्षा करें। वास्तव में व्यक्तिगत रूप से आपकी कुशाग्रता और आपको अपने आत्मज्ञान के माध्यम से जीवन की दूरी तय करनी चाहिए। यदि आप अपने किसी भी एक चयनित रास्ते पर साहस और एकाग्रता पूर्वक चलते रहे तों सर्वोच्च पद पर पहुंचेगे। आपके लिए पत्रकारिता, लेखन कला, साथ ही कलात्मक कार्य व्यवसाय से आप लाभ प्राप्त करेंगे।

परंतु आपकी ऐसी आदत है कि आप अनिश्चित बाधाओं के प्रति बहुधा सशंकित रहते हैं तथा प्रायः अनिश्चित स्थिति में अर्थात् दुविधापूर्ण वातावरण से आप घिर जाते हैं। आप एक लुढकते हुए पत्थर के समान अपना आचरण रख कर, निश्चित लाभांश प्राप्त करने में असफल रह जाते हैं। आपकी अनुदारता के कारण आपकी चाह रहती है कि संक्षिप्त प्रकार से निर्दिष्ट विषय पर पॉलिस करके मानक विधान को स्वीकार कर, विजय श्री प्राप्त करें।

आप भाग्य की कृपा से किसी एक कार्य को संपादित कर अन्य कार्य का उत्तरदायित्व ग्रहण कर सकते हैं। परंतु आप में एकाग्रता का अभाव विद्यमान है। दिक्कत यह है कि आप इस अभाव को केंद्रीकरण करने के पश्चात् ही किसी भी उत्तरदायीत्व को ग्रहण कर बिना कार्य पूर्ण किए ही अन्य कार्यों को संपादन करने का अवसर अपने हाथ में ले लेते हैं।

अति महत्वाकांक्षा के प्रभाव से आप ऐसा कार्य संचालित कर लेते हैं। क्योंकि आप चमत्कारिक ढंग से धन प्राप्त कर धनी बन जाना चाहते हैं। आपको अपनी आय बढ़ाने की पवृत्ति ऐसी है कि आप यदा-कदा एक ही साथ दो स्थानों पर एक ही समय कोई कार्य प्रारंभ कर, लाभ उपार्जित करने का प्रयास करते हैं। परंतु यह आकस्मिक स्थिति मात्र कुछ समय तक ही प्रभावित रहती है।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप जन सामान्य के साथ तथा इनके द्वारा लोकप्रियता प्राप्त करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाते। आपको एकाग्रतापूर्वक अपने मित्र मंडली में बदलाव लाना होगा। ये लोग आपको सामान्य तरंगित भावनाओं को समझ पाना दुष्कर समझते हैं। अर्थात आप कैसे व्यक्ति हो उनके लिए समझ पाना उतना आसान नही हैं। आप में यह रहस्यमयी शक्ति विद्यमान है कि आप अन्य

किसी की भावनाओं को पूर्ण रूपेण समझ लेते हैं, तथा उसके बाद अपने ढंग से उसको प्रदर्शित करते हैं। आपका स्वभाव निःसंदेह ऐसा है कि आप आश्चर्यजनक प्रभाव से दूसरों को प्रभावित करते हैं। परंतु आप वातावरण को अनुकूल बनाने में अक्षम रहते हैं।

आपको जब कोई भी जीवन की उन्नति के अन्य मार्ग दृष्टिगत नही होते तब आप अपनी क्षमता के अनुरूप अपने धन को लाभजनक कार्य में लगा देते हैं। निम्नांकित बिन्दुओं पर विधानतः तदनुसार आचरण करना चाहिए जो कि आपकी लापरवाही के विरुद्ध जीवन के महत्वपूर्ण सांकेतिक शब्द हैं।

आपके जीवन के लिए महत्वपूर्ण रंग पीला, हरा, ब्लू एवं मोतिया एवं गुलाबी रंग हैं। परंतु हर दशा में रंग काला एवं लाल सर्वथा त्याज्य है।

इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं 8 अंक का व्यवहार सर्वथा प्रतिकूल है। जबकि अंक 7 एवं 3 अंक आपके लिए वास्तव में अनुकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।